राजकीय उच्च विद्यालय गढो सिसाना (3668) सोनोपत

विद्यालय जिला सोनीपत के अंतिम छोर पर स्थित रोहतक जिले की सीमा के साथ लगते गांव गढ़ी सिसाना में स्थित है। यह विद्यालय खंड–खरखौदा के उच्च विद्यालयों में सबसे बड़े कैंपस एवं भवन की सुंदरता एवं साफ–सफाई व अच्छी शिक्षा के लिए जाना जाता है। विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या 265 है।

विद्यालय का परिचय

विद्यालय का नामः राजकीय उच्च विद्यालय गढो सिसाना (3668) जिला–सोनोपत
विद्यालय का पताः गढो सिसानाजिला सोनोपत (हरियाणा)
विद्यालय कीस्थितिः ग्रामीण
विद्यालय का प्रकारः सरकारी
ईमेलः ghsgarhisisana7@gmail.com
मुख्याध्यापक का नामः श्री सौदागर सिंह (M.A. B.Ed., LLB)
लिंगः पुरूष

लॉकडाउन (कोविड–19) के दौरान विद्यालय के समक्ष चुनौतियां

लॉकडाउन के दौरान विद्यालय बंद हो जाने के कारण कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। विद्यार्थियों से संपर्क लगभग टूट गया था। उनसे पुनः संपर्क साधने के लिए विद्यालय स्टॉफ की ऑनलाईन मीटिंग ली गई तथा सभी कक्षाओं के छात्रों के M.I.S.पोर्टल से फोन न. प्राप्त करक छात्र whatsapp ग्रुप बनाए गए तथा विद्यार्थियों को ऑनलाईन प्रक्रिया के बारे में सभी अध्यापकों द्वारा समझाया गया तथा तुरंत शिक्षण कार्य प्रारंभ करवाया गया। जिन गरीब छात्रों के घरों में Android फोन नहीं था उनके लिए शिक्षा मित्र बनाए गए तथा विद्यार्थियों को भी आपस में जोड़ा गया तथा सभी छात्रों को शत–प्रतिशत शिक्षण सामग्री पहुँचानें का कार्य किया गया। सभी अध्यापकों को सभी छात्र ग्रुपों में शामिल किया गया और सभी ने मिलकर बहुत अच्छा प्रयास किया। मुख्याध्यापक द्वारा नित्य–प्रति इन ग्रुपों का निरीक्षण किया जाता था। छात्रों को शनिवार के दिन ज्यादा गृहकार्य न देकर क्रियात्मक कार्य व मनोरंजक सामग्री भेजी जाती थी। इस बात का ध्यान रखा जाता था कि विद्यार्थी ऑनलाइन शिक्षण कार्य से बोरियत महसूस न करे और वे क्रियाशील रह सकें। सभी अध्यापकों ने शिक्षण सामग्री भेजने के लिए YouTube जैसे संसाधनों का

प्रयोग किया और स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा भेजी गई शिक्षण सामग्री तथा उत्कर्ष व अन्य टी.वी. चैनलों के माध्यम से जो शेड्यूल शिक्षा विभाग द्वारा भेजा गया वे सभी जानकारियाँ नित्य–प्रति सभी अध्यापकों द्वारा सभी छात्र ग्रुपों को भेजी गई व शिक्षण कार्य को किसी भी प्रकार से प्रभावित नहीं होने दिया गया। समय–समय पर विद्यालय के अध्यापकों द्वारा अपनी–अपनी कक्षाओं के छात्रों की Zoom App के द्वारा लिंक भेजकर पर मीटिंग ली गई तथा बच्चों को प्रोत्साहित किया। जिन बच्चों का कार्य किसी कारणवश पूर्ण नहीं हो पाता था तो Whatsapp ग्रुप पर उसे चैक कर के बच्चों का तुरंत कार्य करने के लिए अध्यापकों द्वारा निर्देशित किया जाता था। हर एक छात्र ग्रुप में सभी अध्यापकों व मुख्याध्यापक को जोड़ा गया था और छात्रों को यह बताया गया था कि किसी भी प्रकार की असुविधा के लिए विशय संबंधी या अन्य प्रकार की किसी भी शिकायत के लिए किसी भी शिक्षक या मुख्याध्यापक के पास वे फोन करके अपनी समस्या रख सकते थे और उनका समाधान तुरंत किया जाता था। समय–समय पर S.M.C. सदस्यों से व बच्चों के अभिभावकों से फोन करके बच्चों की ऑनलाइल पढ़ाई की फीडबैक लगातार ली जाती रही है।

कोविड–19 के दौरान विद्यालयी कार्यों एवं छात्र अधिगम को सुनिश्चित करने के लिए नवाचार

कोविड–19 के प्रभाव के कारण लॉकडाउन के दौरान SCERT गुरूग्राम (हरियाणा) द्वारा सभी अध्यापकों व मुख्याध्यापकों को नवाचार संबंधी भिन्न–भिन्न प्रकार के अध्यापक प्रशिक्षण कोर्स करवाए गए जिनका हमारे विद्यालय के सभी अध्यापकों ने विद्यार्थियों को शिक्षण कार्य देने तथा Zoom App पर ऑनलाइन मीटिंग के द्वारा बच्चों को प्रोत्साहित करने में पूर्ण प्रयोग में लिया व बच्चों के सर्वांगीण विकास का भी ध्यान रखा। समय–समय पर बच्चों एवं उनके अभिभावकों को कोविड–19 से बचाव के उपायों बारे भी बताया गया। विद्यार्थियों ने Zoom App, YouTube वीडियो व टी.वी. चैनलों के माध्यमों से पाठ्यक्रम की चर्चाओं एवं पढ़ाई का भरपूर लाभ उठाया है और पाठ्यक्रम को नियमित रूप से पूरा किया है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने भी कला उत्सव, क्रियात्मक वीडियो, कानूनी साक्षरता व छात्र संसद संबंधी कई कलात्मक कार्यों से संबंधित वीडियो डालकर विद्यार्थियों को क्रियाशील रखने में पूरा सहयोग दिया। इन सब गतिविधियों का कुशल संचालन करके विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का पूरा ध्यान रखा गया।

छात्र अधिगम को सुनिश्चित करने के लिए SMC के सदस्यों, अभिभावकों एवं समाज के सहयोग को सुनिश्चित करने की योजना

इस शिक्षा सत्र (2021–2022) में जैसे ही शिक्षा विभाग द्वारा रोस्टर अनुसार 50% स्टाफ की विद्यालय आने का आदेश जारी हुआ तभी 01.06.2021 को विद्यालय मुखिया द्वारा उपस्थित स्टॉफ सदस्यों व SMC सदस्यों की कोविड–19 की हिदायतों का पालन करते हुए एक विशेष मीटिंग ली गई जिसमें बच्चों की ऑनलाइन प्रारूप के माध्यम से चल रही पढ़ाई बारे विस्तार स चर्चा की गई

तथा उन्हें बच्चों का घर पर किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा करने एवं उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखने बारे जागरूक किया गया। अभिभावकों को 2 गज की दूरी और मास्क है जरूरी, दवाई भी और कड़ाई भी और पढ़ाई भी जैसे पहलुओं को विद्यार्थियों के साथ मिलकर व्यवहार में लाने के लिए प्ररित किया गया। सभी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को सभी अध्यापकों द्वारा ज्यादा से ज्यादा टीकाकरण के लिए प्रेरित किया और समिति के माध्यम से सकारात्मक माहौल बनाने का प्रयास किया।

विद्यालय स्तर पर किए गए अन्य विकासात्मक प्रयासों का विवरण

मुख्यध्यापक एवं सभी स्टॉफ सदस्यों ने एकजुटता के साथ मिलकर व निरंतर छात्रों व अभिभावकों के संपर्क में रहकर विद्यार्थियों के पठन–पाठन के कार्यों को निरंतर जारी रखा व छात्रों की रूचि बनाए रखी। विभाग द्वारा समय–समय पर जो सांस्कृतिक कार्यक्रम करवाने के निर्देश दिए गए उन्हें लगातार बच्चों के साथ मिलकर पूर्ण करवाया गया। बच्चों ने घर पर सांस्कृतिक क्रियाएं करके वीडियो बनाकर के भेजी तथा निबंध प्रतियोगिता में हमारी दसवीं कक्षा की एक छात्रा नेहा ने ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा जिला स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित की। हमारी दो छात्राएं व एक छात्र ने Under-17 वर्ग में जिला भर में कुश्ती प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाप्त किया है और उन्होंने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतू अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है। एक छठीं कक्षा के छात्र मयंक ने Under-11 कुश्ती प्रतियोगिता में जिला सोनीपत में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा उसने भी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतू अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है।सभी बच्चे विभाग द्वारा भेजे गए सभी कार्यक्रमों में बढ़–चढ़कर भाग लेते हैं एवं सभी शिक्षकों द्वारा लिए जाने वाले साप्ताहिक टैस्टों एवं SAT परीक्षाओं में बड़ी रूचि के साथ शत–प्रतिशत भाग लेते हैं।

निष्कर्ष

कोविड–19 के दौरान विद्यालय भवन को तीन बार दवाई के छिड़काव के साथ सैनेटाइज करवाया गया है। SMC के सहयोग से विद्यालय के प्रांगण में खड़े खरपतवार को ट्रैक्टर चलवा कर के तीन बार साफ करवाया गया है। छात्रों एवं स्टॉफ के सभी बाथरूमों को नियमित रूप से सैनेटाइज किया जाता है। जिनमें 50% छात्र Rosterwiseविद्यालय आते हैं उनका नियमित रूप से परिक्षण एवंशिक्षण कार्य निरंतर जारी है। भविष्य में हमारी योजना इस विद्यालय को काफी ऊचाईयों तक ले जाने की है।